हल प्रश्न-पत्र (बोर्ड द्वारा प्रेषित)	सी.बी.एस.ई. टॉपर हल प्रश्न-पत्र 2019 कक्षा–X Delhi/Outside Delhi Sets	हिन्दी 'अ'

समय : 3 घण्टे] [अधिकतम अंक : 80

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं – **क, ख, ग** और **घ**।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

Delhi Set I **Code No. 3/1/1**

खण्ड–'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

दार्शनिक अरस्तू ने कहा है– ''प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।'' वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को देते हैं। किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं। समय निरंतर गतिमान है। इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयनुसार काम भी करना चाहिए।

सफल जीवन की यही कुंजी है।

(क) जीवन के अमूल्य क्षणों को किस प्रकार के व्यक्ति खो देते हैं? **2**

उत्तर–

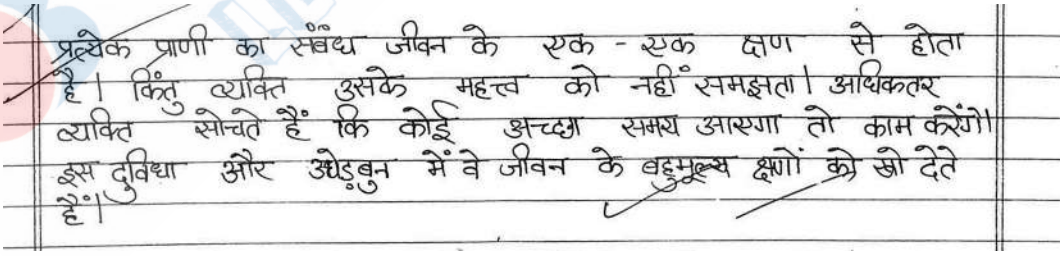

(ख) भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान क्यों कहा गया है? **2**

उत्तर–

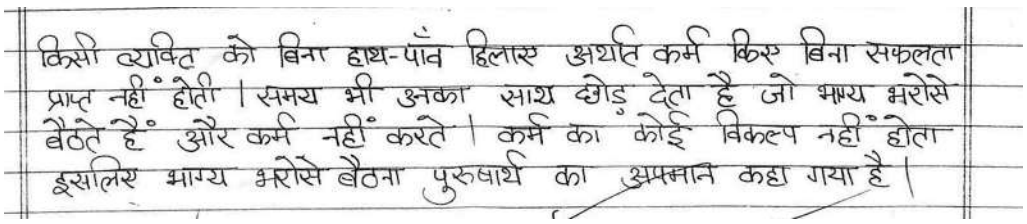

To know about more useful books for class-10 click here

(ग) दार्शनिक अरस्तू के कथन का आशय लिखिए। **2**

उत्तर– दार्शनिक अरस्तू के कथन - "प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" का आशय है कि व्यक्ति को सदैव ही समय का सम्मान, कर्म का पथ व जीवन का लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति के लिए संघर्ष करना चाहिए। उचित अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

(घ) लक्ष्मी किसे प्राप्त होती है? **1**

उत्तर– लक्ष्मी की प्राप्ति उसे ही होती है जो श्रम और समय का पारखी होता है अर्थात इनके महत्त्व को समझता है।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **1**

उत्तर– शीर्षक :- "समय व कर्म का महत्त्व।"

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **7**

बहुत घुटन है बंद घरों में, खुली हवा तो आने दो,
संशय की खिड़कियाँ खोल, किरनों को मुस्काने दो।

ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं,
चमक-दमक, आपा-धापी है, पर जीवन का नाम नहीं
लौट न जाए सूर्य द्वार से, नया संदेशा लाने दो।

हर माँ अपना राम जोहती, कटता क्यों वनवास नहीं
मेहनत की सीता भी भूखी, रुकता क्यों उपवास नहीं।
बाबा की सूनी आँखों में चुभता तिमिर भागने दो।

हर उदास राखी गुहारती, भाई का वह प्यार कहाँ?
डरे-डरे रिश्ते भी कहते, अपनों का संसार कहाँ?
गुमसुम गलियों को मिलने दो, खुशबू तो बिखराने दो।

(क) 'ऊँचे-ऊँचे भवन उठ रहे, पर आँगन का नाम नहीं''– पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। **2**

(ख) सूर्य द्वार से ही क्यों लौट जाएगा? **2**

(ग) आज रिश्तों के डरे-डरे होने का कारण आप क्या मानते हैं? **1**

(घ) 'तिमिर' शब्द का अर्थ लिखिए। **1**

(ङ) कवि ने क्या संदेश दिया है? **1**

अथवा

मेरा माँझी मुझसे कहता रहता था।
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना।
पर जो बार-बार बाधा बन के आएँ,
उनके सिर को वहीं कुचल कर बढ़ जाना।
जानबूझ कर जो मेरे पथ में आती हैं,
भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें।
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ।
उतनी ही मिलती हैं, ये ग्रीवा ताने।

To know about more useful books for class-10 click here

रख अपनी पतवार, कुदाली को लेकर
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ,
जीवन की नैया का चतुर खिवैया मैं
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ।

(क) राह में आने वाली बाधाओं के साथ कवि कैसा व्यवहार करता है? **2**

उत्तर– राह में आने वाली बाधाओं के सिर को कुचलकर आगे बढ़ता है। तात्पर्य है कि कवि उन बाधाओं का डटकर सामना करता है व उन्हें हराकर जीवन में आगे बढ़ता है।

(ख) कवि ने हमें क्या प्रेरणा दी है? स्पष्ट कीजिए। **2**

उत्तर– कवि हमें प्रेरणा देना चाह रहा है कि जीवन संघर्षों का दूसरा नाम है। बाधाएँ जो हमारी राह में अड़चने बनकर सामने आती हैं, उनसे जितना बचकर चलेंगे, उतनी ही बड़ी होकर वे सामने आएँगी। हमें उनका डटकर सामना करना चाहिए व जीवन रूपी नाव को भवसागर में अग्रसर रखना चाहिए।

(ग) कवि ने अपना माँझी किसे कहा है? **1**

उत्तर– कवि ने अपना माँझी इस जीवनरूपी भवसागर को पार कराने वाले के लिए कहा है। वह कवि का 'शुभचिंतक व मित्र' है।

(घ) 'उन्नत भाल' का क्या आशय है? **1**

उत्तर– उन्नत भाल का आशय है कवि के समक्ष आई बाधाओं का सिर जिसे वह अपनी कुदाल से झुकाता है। यह बाधाओं का गुरूर है।

(ङ) 'जीवन की नैया का चतुर खिवैया' किसे कहा गया है? **1**

उत्तर– जीवन की नैया का चतुर खिवैया – 'कवि' को कहा गया है।

खण्ड–'ख'

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : **1×3=3**

(क) मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु के साथ ही फ़ादर के शब्दों से झरती शांति भी याद आ रही है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर– मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु भी याद आ रही है और फ़ादर के शब्दों से झरती शांति भी याद आ रही है।

(ख) रात हुई और आकाश में तारों के असंख्य दीप जल उठे। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर– रात होने पर आकाश में तारों के असंख्य दीपक जल उठे।

(ग) माँ ने कहा कि शाम को जल्दी घर आ जाना। (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर– उपवाक्य भेद :– संज्ञा उपवाक्य

(घ) पान वाले के लिए यह मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली। (मिश्र वाक्य बदलिए)

To know about more useful books for class-10 click here

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : **1×4=4**

(क) हालदार साहब ने पान खाया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर– हालदार साहब के द्वारा पान खाया गया।

(ख) दादा जी प्रतिदिन पार्क में टहलते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर– दादा जी से प्रतिदिन पार्क में टहला जाता है।

(ग) गांधी जी द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर– गाँधी जी ने विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया

(घ) पान कहीं आगे खा लेंगे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ङ) खिलाड़ी दौड़ नहीं सका। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर– खिलाड़ी से दौड़ा नहीं गया।

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : **1×4=4**

(क) सुरभि <u>विद्यालय से</u> अभी-अभी आई है।

उत्तर– विद्यालय से :- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान करण कारक

(ख) उसने मेरी बातें <u>ध्यानपूर्वक</u> सुनी।

उत्तर– ध्यानपूर्वक :- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'सुनी' की विशेषता

(ग) शाबाश! <u>तुमने</u> बहुत अच्छा काम किया।

उत्तर– तुमने :- सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यमपुरुष, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) वहाँ <u>दस</u> छात्र बैठे हैं।

उत्तर– दस :- विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, 'छात्र' की विशेषता।

(ङ) परिश्रम <u>के बिना</u> सफलता नहीं मिलती।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1×4=4**

(क) 'भयानक रस' का एक उदाहरण लिखिए।

उत्तर– उदर गरजती सिंधु लहरिया, कुटिल काल के जालों सी।
चली आ रही फेन उगलती, फन फैलाए व्यालों सी।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए

तनकर भाला यूँ बोल उठा।
राणा! मुझको विश्राम न दे।
मुझको वैरी से हृदय-क्षोभ
तू तनिक मुझे आराम न दे।

(ग) 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है?

उत्तर– जुगुप्सा :- वीभत्स रस

To know about more useful books for class-10 click here

(घ) 'शांत' रस का स्थायी भाव है?

उत्तर– शांत रस का स्थायी भाव - 'निर्वेद' है।

(ङ) किस रस को 'रसराज' भी कहा जाता है?

उत्तर– 'शृंगार रस' को रसराज कहा जाता है।

खण्ड–'ग'

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

पिता के ठीक विपरीत थीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज़्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज़्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश और ज़िद को अपना फ़र्ज़ समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने ज़िंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं..... केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका..... न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

(क) माँ की उपमा धरती से क्यों की गई है? **2**

उत्तर– लेखिका ने माँ की उपमा धरती से इसलिए किया है क्योंकि उनमें धरती जैसी सहनशीलता व धैर्य था। जिस प्रकार धरती सभी कष्टों को धैर्यपूर्वक सहती है उसी प्रकार लेखिका की माँ भी पिता जी के सारे अत्याचारों को व बच्चों की सभी उचित-अनुचित फरमाइशों को अपना दायित्व समझकर चुपचाप सहन करती थीं।

(ख) लेखिका को माँ का कौन-सा रूप अच्छा नहीं लगता था? क्यों? **2**

उत्तर– लेखिका को उनकी माँ का असहाय मज़बूरी में लिपटा त्याग कभी अच्छा नहीं। न ही उनकी सहिष्णुता लेखिका को भाई। उनकी माँ का यूँ ही बिना विरोध के सभी कार्यों को करते जाना व अन्याय का प्रतिकार न करने का स्वभाव ही वह कारण था जिससे वे कभी भी लेखिका की आदर्श न बन सकीं।

(ग) लेखिका और उसके भाई-बहिनों की सहानुभूति किसके साथ थी? **1**

उत्तर– लेखिका व उनके भाई-बहनों का सहानुभूति अपनी माँ के साथ अधिक थी।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **2×4=8**

(क) लेखक ने फ़ादर कामिल बुल्के की याद को यज्ञ की पवित्र अग्नि क्यों कहा है?

उत्तर– लेखक ने फ़ादर बुल्के को यज्ञ की अग्नि की उपाधि समर्पित की है। वह अकी याद में अदधानत है। यज्ञ की आग तपस्या से उत्पन्न होती है जो अत्यंत ही पवित्र होती है। फ़ादर का जीवन व व्यक्तित्व तरलता व पवित्रता की प्रतिमूर्ति था। अपने हर प्रियजन के लिए असीम ममत्व उनकी आँखों में साफ दृष्टब्य था। लेखक फ़ादर की पवित्रता से प्रभावित है। अस्तु उसने फ़ादर को यज्ञ की पवित्र आग की उपाधि समर्पित की है।

To know about more useful books for class-10 click here

(ख) मन्नू भंडारी का अपने पिता से जो वैचारिक मतभेद था उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर– मन्नू भंडारी की अपने पिता से वैचारिक टकराहट बचपन में आरंभ हुई वह राजेंद्र से विवाह करने तक चलती रही। बचपन में पिता जी के अनजाने- अनचाहे व्यवहार ने लेखिका में हीन ग्रंथि का संचार किया। लेखिका से दो साल बड़ी बहन सुशीला का रंग गोरा था और लेखिका काली थी। पिता जी हर बात में उन दोनों की तुलना करते रहते थे जिसने लेखिका को शक्की स्वभाव का बना दिया और वे बात-बात पर मन्ना जाती थीं। यह था टकराहट का पहला कारण।

दूसरा कारण, यह था कि पिताजी चाहते थे कि लेखिका घर में ही रहे और बाहर जाकर सड़कों पर भाग न ले किंतु लेखिका का लहू लावा बन गया था और उसे आज़ादी के दायरे में चलना स्वीकार न था। इससे उन दोनों के मध्य वैचारिक टकराहट होती थी।

(ग) नेताजी का चश्मा" पाठ में बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है?

उत्तर– 'नेताजी का चश्मा' पाठ में सरकंडे का चश्मा मूर्ति पर लगाना यह दर्शाता है कि देशभक्ति की भावना अब भी बच्चे-बच्चे में कूट-कूट कर भरी है। कैप्टन की मृत्यु के पश्चात हालदार साहब मायूस हो गए और सोचा कि अब सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति तो अवश्य होगी पर उस पर चश्मा नहीं होगा। वे उस कौम के लिए व्यथित थे जो देशभक्ति का मज़ाक उड़ाती है। जब वह कस्बे से गुज़रे तो उन्होंने देखा कि मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा था जैसा बच्चे बना लेते हैं। इतने में ही उनकी आँखें भर आईं। उन्हें विश्वास हो गया कि देशभक्ति की भावना अब भी शेष है।

(घ) बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे से बेटे के साथ कैसा व्यवहार करते थे और क्यों?

उत्तर– बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे बेटे के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करते थे व अधिक देखभाल करते थे। इसका कारण था कि वे मानते थे कि ऐसे लोग निगरानी व देखभाल के ज़्यादा हकदार होते हैं। उनके बेटे के पास कम अक्ल थी और बालगोबिन भगत सदैव उसे अपने संरक्षण में रखते थे।

(ङ) 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा।

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न के उत्तर लिखिए–

लखन कहा हँसि हमरे जाना । सुनहु देव सब धनुष समाना ।।
का छति लाभु जून धनु तोरें । देखा राम नयन के भोरें ।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू । मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू ।।
बोले चितै परसु की ओरा । रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही । केवल मुनि जड़ जानहि मोहि ।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही । बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही ।।
भुजबल भूमि भूप बिनू कीन्ही । बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही ।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा ।।

To know about more useful books for class-10 click here

(क) परशुराम के क्रुद्ध होने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए? **2**

उत्तर–

परशुराम के क्रुद्ध होने पर लक्ष्मण जी ने राम को निर्दोष साबित करने हेतु निम्नलिखित तर्क दिए :–

- लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना॥
अर्थात हमारी नजर में तो सभी धनुष एक समान हैं। हम धनुष देखकर नहीं तोड़ते।
- बहु धनुही तोरी लरिकाई। कबहु न असि रिस कीन्हि गोसाईं॥
अर्थात बचपन में हमने कितने धनुष तोड़े परन्तु आपने कभी क्रोध नहीं किया फिर इस धनुष पर इतनी ममता क्यों?
- धनुष पुराना था इसलिए राम के छूते ही टूट गया। इसमें उनका कोई दोष नहीं।

(ख) प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर लिखिए कि परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा। **2**

उत्तर–

परशुराम ने अपनी शक्तियों के विषय में बताते हुए कहा कि "भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही।", "सहसबाहु भुज छेदनिहारा", "बालबह्मचारी अति कोही। बिस्व बिदित क्षत्रियकुल द्रोही॥" अर्थात उनकी शक्ति ने व कुठार ने कई बार पृथ्वी को क्षत्रियमुक्त

(ग) परशुराम के बारे में कौन-सी बात विश्व प्रसिद्ध थी? **1**

उत्तर–

"परशुराम क्षत्रियकुल के शत्रु हैं"– यह बात विश्वविख्यात है।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(क) संगतकार की मनुष्यता किसे कहा गया है? वह मनुष्यता कैसे बनाए रखता है?

उत्तर–

"संगतकार की हिचक उसकी विफलता नहीं बल्कि मनुष्यता है।" अर्थात जब मुख्य गायक का संगतकार साथ देता है तो वह अपनी आवाज़ व प्रतिभा को ऊँचा होने से रोक देता है। यही उसकी मनुष्यता है। ऐसा वह इसलिए करता है ताकि मुख्य गायक का प्रभाव व सम्मान बना रहे। उसका उद्देश्य गायक की आवाज़ को दबाना नहीं बल्कि उसे सुदृढ़ बनाना है। यह हिचक उसकी आवाज़ में साफ सुनाई देती है। इसे उसकी मनुष्यता का परिचायक समझा जाना चाहिए। यह मनुष्यता वह मुख्य गायक का साथ देकर कायम रखता है।

(ख) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर वसंत ऋतु की शोभा का वर्णन कीजिए।

उत्तर–

'अट नहीं रही' कविता कवि 'निराला जी' ने फागुन की शोभा का अनुपम वर्णन किया है। "कहीं साँस लेते हो, घर-घर भर देते हो।" "पाट-पाट शोभा श्री, पट नहीं रही", "मंद-गंध पुष्पमाल" आदि पंक्तियाँ फागुन के सौंदर्य को व्यक्त करती हैं। फागुन में वातावरण सुगंधित हो जाता है, पक्षी चहचहाने लगते हैं, पेड़ों पर कहीं हरी कहीं लाल पत्तियों से ऐसा प्रतीत होता है कि फागुन स्वयं में 'ऋतुराज' है। फूल खिल उठते हैं, लगता है कि जैसे फागुन के गले में किसी ने पुष्पमाला डाल दी हो। यह फागुन की अनुपम शोभा है जो सृष्टि के प्राणियों को प्रसन्न कर देती है।

To know about more useful books for class-10 click here

(ग) परशुराम ने अपनी किन विशेषताओं के उल्लेख के द्वारा लक्ष्मण को डराने का प्रयास किया?

(घ) आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है? तर्क दीजिए।

उत्तर– हमारी दृष्टि से कन्या के साथ दान की बात करना सर्वथः अनुचित है। कन्या कोई वस्तु नहीं जिसका दान किया जा सके। उसका अपना स्वतंत्र अस्तित्व है। यह तो पुरुष-प्रधान समाज की न समझी का परिचायक है कि जिन बेटियों को हम देवी मानते हैं, उन्हीं को दान करने की बात कहते हैं।

जब लड़का-लड़की एक समान हैं तो दान की बात का कोई अस्तित्व ही नहीं होना चाहिए। यह सर्वथः अनुचित है।

(ङ) कवि ने शिशु की मुस्कान को 'दंतुरित मुस्कान' क्यों कहा है? कवि के मन पर उस मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर– बच्चे की मुसकान को कवि ने दंतुरित कहा है क्योंकि उसकी मुसकान मनमोहक है जिसमें उसके छोटे दाँत भी दिख रहे हैं। कवि उसकी मुसकान देखने पर वात्सल्य के भाव से भर उठता है। उसे लगता है कि जैसे कमल का फूल तालाब छोड़कर उसकी झोपड़ी में खिल गया है। उसकी मनमोहक मुसकान से उसे लगता है :- "छू कर, परस पाकर तुम्हारा ही प्राण जल बन गया होगा पिघलकर कठिन पाषाण।" अर्थात उसकी मुसकान को देखकर कठोर हृदय भी तरल हो जाए। मृतक में भी जान आ जाए और बबूल के पेड़ों से शेफालिका के फूल गिरने लगें। कवि उसकी मुसकान से प्रभावित है।

11. 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ के माध्यम से लेखक ने समाज पर क्या व्यंग्य किया है? **4**

अथवा

'मैं इंडियन हूँ' सिक्किम की युवती द्वारा यह कहे जाने से स्पष्ट होता है कि अपनी जाति, धर्म-क्षेत्र और संप्रदाय से अधिक महत्त्वपूर्ण राष्ट्र है। आप किस प्रकार राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य निभाकर देश के प्रति अपना प्रेम प्रकट कर सकते हैं? समझाइए।

उत्तर– पाठ 'साना-साना हाथ जोड़ि' में लेखिका ने युमथांग की एक युवती से प्रश्न किया कि, "क्या तुम सिक्किमी हो?" तो उसने उत्तर दिया "नहीं, मैं इंडियन हूँ" इस कथन से यह स्पष्ट हो गया कि राष्ट्र किसी भी धर्म, स्थान, संप्रदाय से उच्च है।

राष्ट्र की सेवा का अर्थ यह है कि हम उसमें मौजूद सभी नागरिकों, पक्षी, फूलों, पेड़ों आदि का सम्मान करें व उनके उत्थान के प्रयास करें। राष्ट्र के प्रति कर्तव्य मात्र सेना ही नहीं निभाती बल्कि प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की उन्नति में भागीदार होता है। हम अपने दैनिक जीवन से जुड़े कार्यों को ईमानदारी से करें, राष्ट्र के वातावरण को संरक्षित करें, भ्रष्टाचार न करें, अपने कार्यों को पूर्ण लगन के साथ करें, देश की सेना व संस्कृति का सम्मान करें। ज़रूरी नहीं है कि हर देशवासी उच्च पद पर पहुँच सके और देश सेवा कर सके। हमें व्यक्तिगत स्तर पर हर संभव प्रयास करना होगा जिससे राष्ट्र प्रगतिशील रहे। अपने मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में जागरूक होना, चुनावों में भाग लेकर मतदान करना, जाति-पाति की संकुचित मानसिकता से उबरना, राष्ट्रीय एकता बनाना,

To know about more useful books for class-10 click here

स्वच्छता बनाए रखना आदि कुछ ऐसे कार्य हैं जो नागरिक अपने राष्ट्र के प्रति कर के अपना प्रेम व्यक्त कर सकते हैं।

खण्ड-'घ'

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा
- जीवन शैली
- कामकाजी महिलाओं की समस्या
- सुरक्षा में कमियों के कारण व सुझाव

(ख) मित्र की परख संकट में
- भले दिनों के मित्र
- बुरे दिनों के मित्र
- मित्र की परख

(ग) मेरी कल्पना का विद्यालय
- विद्यालय में क्या है अनावश्यक
- क्या-क्या है आवश्यक
- विद्यालय और परिवेश

उत्तर–

महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

रूपरेखा :-
- प्रस्तावना
- जीवन शैली
- कामकाजी महिलाओं की समस्या
- सुरक्षा में कमी के कारण व सुझाव
- उपसंहार

महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

★ प्रस्तावना :-

"देश के विकास की आधारशिला, महिलाओं से बनती है।" देश का हर नागरिक उसके लिए समान रूप से महत्वपूर्ण होता है। आज आधुनिकता की होड़ ने व्यक्ति को व्यस्त बना रखा है। महानगर, जो वे शहर हैं जिनकी आबादी 50 लाख से ऊपर होती है, आज प्रगति की पहचान हैं। परंतु यह भी सत्य है कि आज इन महानगरों में ही हमारे देश की महिलाएँ सुरक्षित नहीं हैं। जिस भारत की उत्कृष्ट संस्कृति में महिलाओं को 'दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी' माना है आखिर क्यों आज वही महिलाएँ अपने ही देश में सुरक्षित नहीं हैं? यह एक चिंताजनक विषय है।

To know about more useful books for class-10 click here

★ जीवन शैली :-

महानगरों की महिलाओं की जीवन शैली आज अत्यंत ही व्यस्त है। नारी शसक्तीकरण के चलते आज महिलाएँ विभिन्न संस्थाओं में कार्यरत हैं व आत्म निर्भर हैं। परंतु यह तो उन महिलाओं के लिए है जो अपने अवसरों को पहचानती हैं। एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो शोषण का शिकार है। जी हाँ, महानगरों में केवल उच्च व अच्छे वातावरण की संस्थाएँ ही नहीं हैं बल्कि ऐसी संस्थाएँ भी हैं जहाँ का वातावरण दूषित व महिलाओं के लिए प्रतिकूल है। यह अपने और अपने परिवार के पालन-पोषण की मजबूरी ही है जो महिलाओं को ऐसी संस्थाओं में कार्य करने पर विवश करता है जहाँ पर उनका शोषण होने की संभावनाएँ हैं।

★ कामकाजी महिलाओं की समस्या :-

वे महिलाएँ जो कार्य क्षेत्र से जुड़ी हैं उनके लिए सबसे बड़ी समस्या है अनुपयुक्त वक्त में ड्यूटी करना। अर्थात रात के समय, जब महिलाओं पर शोषण की पूरी संभावनाएँ होती हैं। इसका कारण लचर सुरक्षा व्यवस्था व संकुचित मानसिकता है। महिलाओं पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार जैसे :- यौन शोषण, एसिड से हमला, अपहरण आदि किए जाते हैं। यह एक शर्मनाक बात है कि स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हम महिलाओं को उनकी सुरक्षा नहीं दे पाए हैं।

★ सुरक्षा में कमियों के कारण व सुझाव :-

महिलाओं की लचर सुरक्षा व्यवस्था के लिए निश्चित रूप से ही प्रशासन की लचर व्यवस्था ज़िम्मेदार है। इसका कारण है - पुरुष प्रधान समाज जो हमेशा से ही महिलाओं की उन्नति का विरोधी रहा है परिणाम स्वरूप हमारी राजनीति में मात्र 10% महिलाएँ ही लोकसभा की सदस्य हैं। सन् 1990 से ही "महिला सुरक्षा बिल" अटका है। इतना ही नहीं पुलिस प्रशासन की लापरवाही के कारण भी आज महिलाएँ असुरक्षित हैं। भ्रूण हत्या जिसने देश में पुरुष-स्त्री का अनुपात बिगाड़ रखा है, लोगों की संकुचित मानसिकता को दर्शाता है। हम चाहे जितनी प्रगति कर लें हमारी मानसिकता आज भी महिला को भोग की वस्तु समझता है।

अब आखिर इस समस्या का समाधान क्या है? सर्वप्रथम कानून व्यवस्था को सख्ती बरतनी होगी अर्थात अपराधियों को दंड देना होगा। जब एक अपराधी सलाखों के पीछे जाएगा तो अपने आप ही बाकी भयभीत रहेंगे।

To know about more useful books for class-10 click here

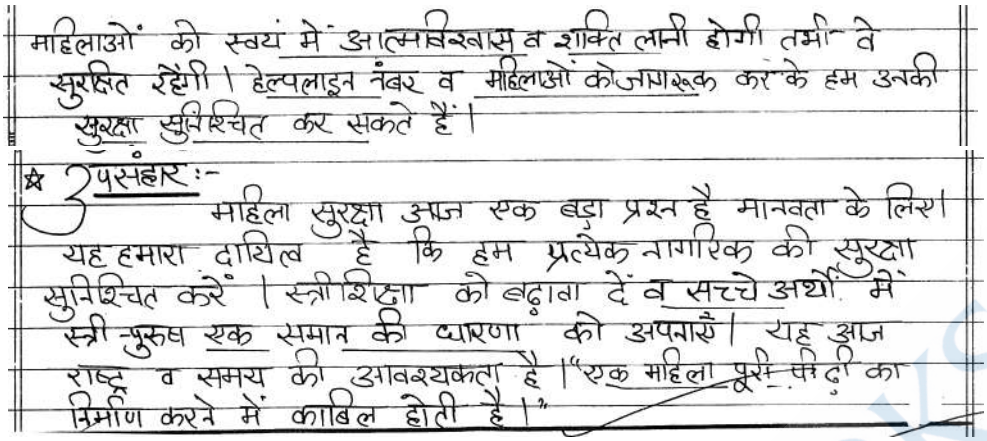
महिलाओं को स्वयं में आत्मविश्वास व शक्ति लानी होगी तभी वे सुरक्षित रहेंगी। हेल्पलाइन नंबर व महिलाओं को जागरूक कर के हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं।

☆ उपसंहार :-
महिला सुरक्षा आज एक बड़ा प्रश्न है मानवता के लिए। यह हमारा दायित्व है कि हम प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करें। स्त्री शिक्षा को बढ़ावा दें व सच्चे अर्थों में स्त्री पुरुष एक समान की धारणा को अपनाएँ। यह आज राष्ट्र व समय की आवश्यकता है। "एक महिला पूरी सदी का निर्माण करने में काबिल होती है।"

13. गत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं। इससे आप चिंतित हैं। इन अपराधों की रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए। **5**

अथवा

आपका एक मित्र शिमला में रहता है। आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का खूब आनन्द उठाया था। घर वापस लौटने पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

उत्तर–

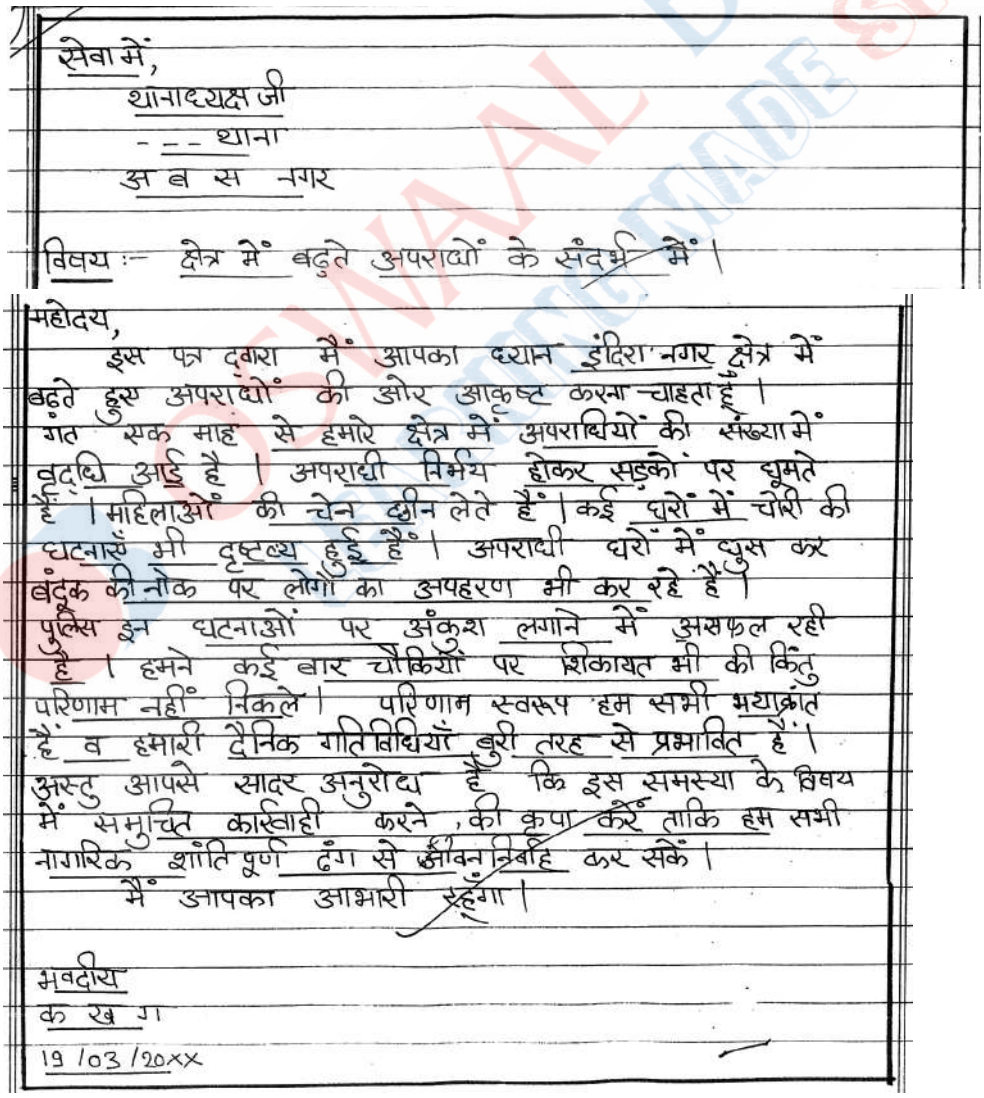
सेवा में,
थानाध्यक्ष जी
- - - थाना
अ ब स नगर

विषय :- क्षेत्र में बढ़ते अपराधों के संदर्भ में।

महोदय,
इस पत्र द्वारा मैं आपका ध्यान इंदिरा नगर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराधों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। गत एक माह से हमारे क्षेत्र में अपराधियों की संख्या में वृद्धि आई है। अपराधी निर्भय होकर सड़कों पर घूमते हैं। महिलाओं की चेन छीन लेते हैं। कई घरों में चोरी की घटनाएँ भी दृष्टव्य हुई हैं। अपराधी घरों में घुस कर बंदूक की नोक पर लोगों का अपहरण भी कर रहे हैं। पुलिस इन घटनाओं पर अंकुश लगाने में असफल रही है। हमने कई बार चौकियों पर शिकायत भी की किंतु परिणाम नहीं निकले। परिणाम स्वरूप हम सभी भयाक्रांत हैं व हमारी दैनिक गतिविधियाँ बुरी तरह से प्रभावित हैं। अस्तु आपसे सादर अनुरोध है कि इस समस्या के विषय में समुचित कार्यवाही करने की कृपा करें ताकि हम सभी नागरिक शांति पूर्ण ढंग से जीवन निर्वाह कर सकें।
मैं आपका आभारी रहूँगा।

भवदीय
क ख ग
19/03/20XX

To know about more useful books for class-10 click here

14. आपके शहर में एक नया वाटर पार्क खुला है, जिसमें पानी के खेल, रोमांचक झूलों, मनोरंजक खेलों और खान-पान की व्यवस्था है। इसके लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। **5**

अथवा

आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं। इसके लिए पूरा विवरण देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर—

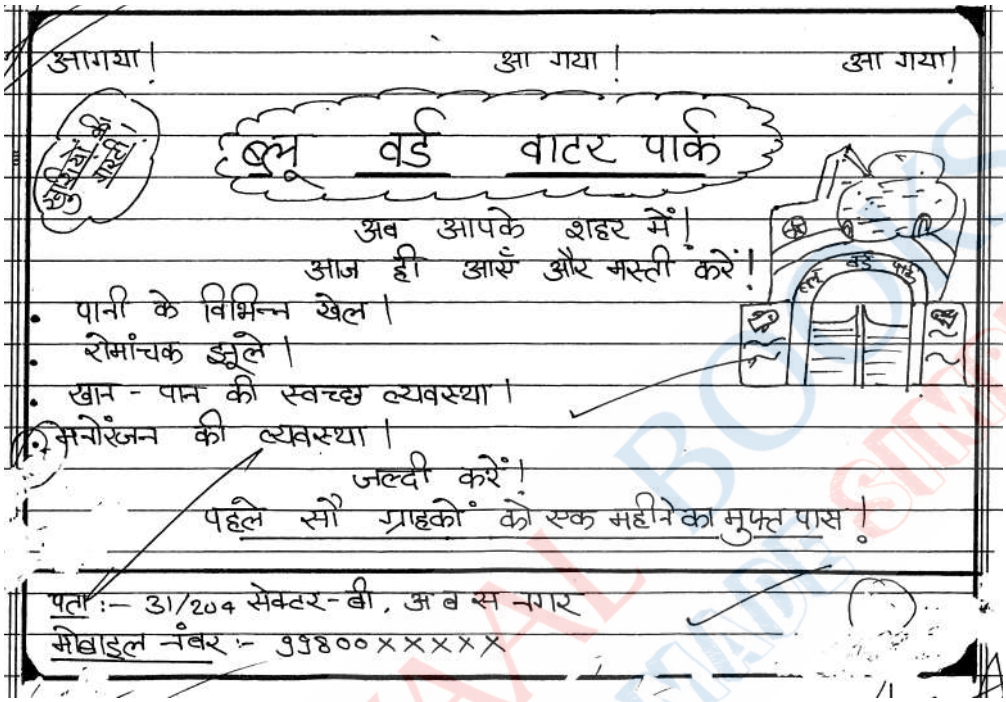

❐❐

To know about more useful books for class-10 click here